एम.ए. अर्थशास्त्र	कार्यक्रम कोड : एमएईसी
M. A. Economics	Programme Code : MAEC

उद्देश्य (Objectives):

- एम. ए. अर्थशास्त्र कार्यक्रम का उद्देश्य सरल एवं बोधगम्य भाषा में आर्थिक प्रक्रियाओं, नीतियों एवं समस्याओं की जानकारी प्रदान करना है जिससे विद्यार्थी घर बैठे आर्थिक जगत में हो रही हलचल को समझ सकें एवं उसकी सही व्याख्या कर सके।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री के साथ–साथ बहुमाध्यमों का उपयोग कर शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थी को बैंकिंग/बीमा/कम्पनियों एवं शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता
(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक(Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम. ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
: एम. ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):

एम.ए. अर्थशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँचपाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबन्ध लेखन एमएईसी–09 *(MAEC-09)* के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) अर्थशास्त्र

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	आर्थिक सिद्धान्त–प्रथम *Economic Theory -I*	एमएईसी–01 *MAEC - 01*	*8*
2.	आर्थिक सिद्धान्त–द्वितीय *Economic Theory - II*	एमएईसी–02 *MAEC - 02*	*8*
3.	सार्वजनिक अर्थशास्त्र *Public Economics*	एमएईसी–03 *MAEC - 03*	*8*
4.	परिमाणात्मक विधियाँ *Quantitative Methods*	एमएईसी–04 *MAEC-04*	*8*

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) अर्थशास्त्र

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र *International Economics*	एमएईसी–05 *MAEC-05*	*8*
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास *Development of Indian Economy*	एमएईसी–06 *MAEC-06*	*8*
3.	श्रम अर्थशास्त्र *Labour Economics*	एमएईसी–07 *MAEC-07*	*8*
4.	क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन *Regional Economic Development and Planning*	एमएईसी–08 *MAEC-08*	*8*
5.	निबन्ध* *Essay**	एमएईसी–09 *MAEC-09*	*8*

* इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा: एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।